Lecture - 138.

चम्पारण सत्याग्रह

- Mamta Rani
Guest Assistant Prof.
Deptt. of History.
SNSRKS college,
Saharsa.

BA part - 3rd.
paper - Ist.

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz

(Q.) चम्पारण सत्याग्रह से आप क्या समझते है? क्या यह भारतीय राजनीति का परिवर्तन बिन्दु था?

उत्तर >

1764 के बक्सर के युद्ध के बाद 1765 मे इलाहाबाद की संधि हुई और उस संधि शर्त के अनुसार मुगल बादशाह शाहआलम-II ने बिहार, बंगाल और उडिसा की दीवानी (भू-राजस्व वसूल करने का अधिकार) प्रदान कर दिया। अर्थात इसी समय से आर्थिक शोषण की गति बिहार मे और तेज हो गया जिसके परिपेक्ष मे 1917 मे यह आन्दोलन चलाया।

बिहार के चम्पारण मे एक बिघा जमीन मे तीन कट्ठा पर भूमी पर नील की खेती अनिवार्य कर दिया। नील की खेती का परिणाम जमीन की उर्वरा शक्ति का हास होना था साथ मे खाद्यान पदार्थ मे कमि और उचीत मूल्य नही मिलने से कृषको की स्थिति और दैयनिय हो गई। बिहारी दैनिक समाचार के माध्यम से भी सरकार को अवगत कराने का प्रयास किया गया। अन्तत: मोतीहारी के समिप मुरली भरहवा के प्रसिद्ध किसान राजकुमार शुक्ल ने 1916 के कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन मे गाँधी जी को चम्पारण आने का अनुग्रह किया।

गाँधी जी 1917 ई० मे पटना, मुजफ्फरपुर, मोतीहारी होते हुए चम्पारण पहुँच गए और तीनकठिया पद्धति के विरूध जसौली पट्टी नामक गाँव से इस आन्दोलन को शुरु किया। तत्कालिक बिहार के उपराज्यपाल एडवर्ड अलगेटे ने इसको चम्पारण छोड़ने का आदेश जारी कर किया जिसको गाँधी जी ने मानने से इंकार कर दिया। अन्तत: चम्पारण कृषि समिति का गठन किया गया जिसमे गाँधी जी के साथ अन्य सदस्यो मे एल. एस. उद्यामी, हरिहर प्रसाद और जी० जैरी आदि भी शामिल थे। चम्पारण सत्याग्रह के समय डॉ० राजेन्द्र प्रसाद, महादेव देसाई, बाबा नरहरी, आचार्य जे० वी० कृपलानी और रामदयालु आदि ने गाँधी जी का साथ दिया था। समिति के रिपोर्ट के आधार पर तीन कठिया पद्धति की समाप्त कर दिया गया। इस प्रकार चम्पारण सत्याग्रह की सफलता के बाद मोहनदास करमचन्द्र गाँधी महात्मा गाँधी के नाम से प्रसिद्ध हुए।

चम्पारण सत्याग्रह भारतीय राजनीति का परिवर्तन बिन्दु निश्चित रूप से था क्यो कि पहली बार सरकारी आदेश की

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz

अपेक्षा करते हुए सजा भुगतने के लिए भी गाँधी जी तैयार हो गए। सत्य और अहिंसा का प्रयोग करते हुए गाँधी जी ने कुछ नई दिशा भी प्रदान किया और इन्ही के द्वारा बताए गए मार्ग पर चलकर राष्ट्रीय आन्दोलन भी सफलता पूर्वक गाँधी जी युग के नाम से संचालित किया गया।

*** *** ***

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz